

॥ श्रीगणेशः वीरकचम प्र० १८ ॥

①

श्रीगणधीपाये नमः वीरकचनीचे रावयासीत  
सोमं प्रवे रात्के आत्मकडीसीत मगनीचे पञ्च  
मदीसेसीत मारुक्रमे विजात सो ॥ १ ॥ स्कंदे अ  
सवीरगमसां गलसवथा परसंगपतीये दिनेवी  
हनी अनेगपलेथे नानदानकरी ॥ २ ॥ ऐसीप  
वती वीरकपुरी ॥ उलमनगर अलीकीरत्तरीम  
गोदावरीच्या तीरी ॥ रथीरजाते नाका ॥ ३ ॥ सा  
रीत्या संघ्या आंगोळी ॥ रोडहा उपचार पुजा



लोकचननाजी। पककरोनीसी ध्रुकावी॥  
नेवेदयसमपीति॥४॥ अमो गंगासीरीरिती  
१॥ सत्यरा। वी उधेतलसहीलकडुवि॥ मगकाय १॥  
करीलेजाते॥ वीअरलेआपुर्वपरायेसा॥५॥  
७ राकरसुनेरायासी॥ सीध्रप्रपाण। जालेउज  
नीरसी॥ राजीवैसोनीयाचिकासी॥ देदिान  
माना॥६॥ सिकुहाशवेदुदुजुनिमा॥ स्थापविवे  
दब्राह्मणा॥ सुस्वीकरोनीयानगर। जना॥ चाल  
वीरा। ज्य११॥१॥ एकोनीमोमहंवाचेवचना॥  
मगबोललाजाह। लावीकामशेव॥ सुनेसाहा  
मासभरलेनाहीरापुनी॥ त्रवकैसेनीयावेनग  
शरसी॥ ८॥ उरलेआसलीमासलीन। तेकमीनि  
९ येस्थानीपुत्रुवउजनीसीजावोनी॥ भेटीप्रतीस  
मुकसांगवे॥९॥ अणीकपरीसउतर॥ मानी  
बोलाचानीधरि। येनगरोगोपीचिंहनृपवरा॥  
त्यासीमजेनेउनीचीकावे॥१०॥ लोजोहेरिदु  
अ११॥ त्याचाकरानीअंगीकारा। चालवी  
११ पुलागृहयेका॥ उरकलीचता११॥



3  
21

हेरिपरीतोनीवाणी सोमहे तस्वोयनाथां  
दकणीपिहणे गार। जचुडामणीय कायज। पीवे  
क बोली तो सी ॥ १२ ॥ आत्मावीकोनी या तु स्वयं  
पोसुअपुलीया प्रजा। जकोजको सव सारमास  
कीलीनिजनीनीय योवोगु। १३। प्रतीरनारि।  
करोनीकुवजकासी। सापऽवीलासकळसा  
यासीपुर्धाकसनी लवासी। ध्यावाठरापकी  
लीथेवेरा। १४। तथाचदे स्वनीगर्भभवे।  
बोलेतज्जगारावो। १५। अत्मावलागसवरायो।

38

नधरावाजीवी। १६। वीकमवा। प्र। १६।  
वीकीलेपाहीजेमयाकारगालेकीवीवीरुण।  
चीलेकुनीया। १७। गोपीचंद्रपुंमं पारायणु।  
त्याचीयाहालेकरचीयश्नु। १८। अटीजाणीतुवा  
येउनी। मजमगोनीध्यावे। १९। यश्नुकाजीजे  
जेमगे। लेदीधलेपाहीजेतेणेयीप्रसंगे। नेही  
सरीसयभंगे। केत्मायश्नुयचे। २०। लयथा  
थीवोलीलासी। पालकनाहीयाकायसीय  
परउपकारजाणीपरमाथरिणी। पायलासीजा  
णा। २१। लुसीयापुन्यानाहीपासा। जालेसुक्र



लचेंगे गंत॥ पुष्पजा ले सात्वा ॥ आही कय  
 उगणी रस साधी लो ॥ २० ॥ तु की जाली काय  
 ७ स्नेधी ॥ लहामही नी वाची पुस्तक आवधी पुन  
 वीचारी दुलवधी ॥ नकरी वी ल बुकाय चि ॥ २१ ॥  
 रत का करे नी ये कांतु ॥ व दे उन्ते गे ल से मं हो ॥  
 (तु) हीं डे ला ग ल न ग रा ल ॥ रा वा द्या ल म गे नी ॥  
 ॥ २२ ॥ ही डे हा ल हा ट व री ॥ चो वारा म ही रे गो म  
 टी ॥ ले से की रा न ग र ध री प ल व ज पु र्ण च ली ॥  
 ॥ २३ ॥ अ पु ने सह परी वारे सी म रा जा गे ला  
 हो ता स्या सी म की से नी प ता रा ज बी ही सी ॥

॥ वी कृत य प्र ॥ १ ॥  
 हो धा सी भटी जा की ॥ २४ ॥ रा वा दे र चो नी हा  
 ला परी ॥ बो ल था ल रा मो नी ॥ वी की लो सी  
 ७ नी ध री ग का य म ल य च ॥ २५ ॥ हे क रा य नी  
 (गु ली प स वा ल क्षि सौ न ट का प्र मी लो ॥ जो दे री  
 ल सी घ ग सी ॥ ल्पा सी रा वा दे र नि ॥ २६ ॥ रा ज  
 ल्पे ग हे आ लो ली क ॥ मो ल स ग र सी स वा ल  
 धा ॥ कां को ण को ण वी वे का ॥ बो ल यो चे अ हे सी ॥  
 ॥ २७ ॥ रा धो ल्पे गो पी च द ॥ तु म्हा सी ज री आ  
 र ल स मे ध ॥ न क री ल आ ल सु आं लः वी



दा॥ यासी द्रव्ये देसी द्रुगता ॥ २८ ॥ लजमज  
 आसलसंगती ॥ जणवले प्रश्नाय ली ॥  
 ४॥ फोटे लसकळजी चाची फोटी वागवचने ४॥  
 करोनीया ॥ अथ परिशोनीया बोलिरी वीथीची  
 वीसली गराज क्री द्रव्यगणती गराधनाथ उनी  
 त्वरीसो ॥ टाकुरा सीनी रोप दोधला ॥ ३० ॥ वीहग  
 मबैरपोनी करी ॥ राजा प्रवेशला राजमंदीरी ॥  
 धालुनी रत्नजनी लकी जरी ॥ समोर गृही बांध  
 ला ॥ ३१ ॥ सोमहे वनी घालो गीसी मपायला  
 गुजनी येनारा रागा भेट मभती प्रधानासी म  
 कधी समुलकी क्रमया ॥ ३२ ॥ कर्ण ये साधिले व  
 रवे ॥ लुहो लुहो रूप उपासने के फास द्रव्य  
 नकावेग जो पोण हो लीसा मास ॥ ३३ ॥ आसा  
 वज्रराः कोहासन कवे द्रव्य ॥ थोरके लेसा  
 यासकष्टा ॥ पारसी पेजा ली ॥ ३४ ॥ नीरोपधेउ  
 नीनी घाला ॥ आपुते धरु म्पुसपे पावला ॥ थो  
 रज्जाने ६ जाला ॥ रत्न पुचकळ नारासी ॥ ३५ ॥  
 हिकडे वी लुपिरी मारागी ॥ आसल गौपी चं







होनी कावडी। चाली लाला लडी। श्रीपा  
 श्रीजीवी चरफडी। नीदुर मन खाने कै लो। ४४।  
 ४। लो गेला प्रथम ही वसी। मागे उरली येक वी वसी।  
 महामे गे पाडी सी। वृद्ध वारी च होला। ४५।  
 ५। लो धे धारा जाले से रोटी गाचा। लेणे वर धरी दी।  
 लो पुत्र ला। कुचा १० वेंडी कावडी चा। महामा  
 री प्रवेश ला। ४६। लो ना पीला जाली धावो  
 नी। लो ली का वा जाला लो पर लो नी। वेक ल  
 ६। लो वर वार कु ने प्रयाण सी। लो लो नी जाले जाला  
 ॥ ४९ ॥

॥ वीक्रम चतुस्रो १० ॥  
 श्रीपुत्र जाले लो कावडी बांधे नी टपी की। ल  
 वपा कसी ध जाली। सारी ली अरोग गं। ४८।  
 ७। सत्री मा सारी ये काली। रोटी गं भोगी श्री प्रली।  
 ऐसी प्री ली दी नी चर ली ग को ह को ह चो राखा  
 ना ही। ४९। रिके उ जे री पुत्र जाला जाले मार्ग  
 करती ला जे जे वाटे तीर्थ भेटे ल। लेथे करी ज्ञान  
 नदान। ५०। ऐस प वला कासी सी। श्रान  
 के ले प्रागी रथी सी। पुत्रा व वी री सी। ५१।  
 गया व जे न सारी लो। ५१। के र्ने ली थ चो धान।



सारी लोब्राह्मणसंलपणा ॥ अणिसककदेवाये  
दृष्टिपपंचक्रोसीचीप्रदक्षणाये ॥ ८५ ॥ ऐसे ७ ॥  
७ ॥ तीनमासकमीलि ॥ पोकासुरडोनीचाकीलाप  
हाहीनीधलाजाता ॥ अतीयासनागमे ॥ ८३ ॥  
इकडेवीजुपुरीमासारी ॥ जेसनीआदरीलन  
८ ॥ लवाचीसुंजी ॥ आदरीकेलीहोतीसहजीण  
जावकासानतोरा ॥ ८४ ॥ वेत्रभुगत्रलोया ॥  
लमनीधारिकरोनयेया ॥ मुफरिलीमंडपक्या  
या ॥ हाकडीसुमहकेपकेकाटेकाटेदुमेत्रला  
इरेमीळते ॥ हीतीसलोकरकस्थापीलो ॥ जो  
सीअणोपुत्रगेले ॥ अणोपेदपावयानगाले  
कासी ॥ ८६ ॥ लवजासोपगक्रमुनीपआला  
पुत्राच्यासुंजीकरणेराकुनी ॥ रकंदीकावडी  
चाहोनीघनहप्रवेराताजाहाता ॥ ८७ ॥ मंडप  
८ ॥ दरघोनीसंलोपला ॥ मणेवरवारसमयासाध  
ला ॥ कावडीटेकीलयलाहे ॥ मातेलोकरिहुंडव  
त ॥ ८८ ॥ तेमणे लुकोदुनीआतासींकोप  
मावीचापुकापडीहीससीपयामणेमाते  
कायनवोकखसी ॥ मुहुकपुत्रलुइसा ॥ ८९ ॥



येरीजाती नोस्मीत ॥ त्मणे वामजपुत्रयेकु ॥  
 लोमोला ॥ असे नगरात ॥ असे नथे द्या वपण ॥  
 ॥ ६० ॥ लवदे रची ले रची सहाणे ॥ लुनयोळ रे  
 ॥ स्त्री काय मते ॥ येरी त्मणे पीर लागले लुले ॥ अ  
 पपर नयोळ रे सी ॥ ६१ ॥ जरी अस लामा सा  
 कांता ॥ जरी लुस करी लामु ही धालु ॥ स्त्री साका  
 चीले बहु लु ॥ जेरे से कधी नबोल सी ॥ ६२ ॥  
 रुकार सीचा काव जो ॥ त्मणे वी सी न धबु धी म  
 ली छामन सी पावला तानी के ॥ मय नाही पाप ज्ये ॥  
 ॥ ६३ ॥

मुद्र ल करी कट क ॥ ॥ श्री क म च म ॥ ७ ॥  
 जात जग पुत्र वर व ॥ तुही तरी धरी व ॥  
 रची ॥ ६४ ॥ लव पुत्र लणे कप जी व ॥ चा व ॥ ॥  
 उ करी ल धुनी जाये दार व ॥ नाही तरी हे नि  
 गेटा ॥ बिस्वीय वरी जाण ॥ ६५ ॥ पुत्राचे वचन  
 ऐकोनी ॥ बहु लज ला क्रोधा यमान ॥ लव जा  
 टो आ मंत्र ये उनी ॥ पी ल आ पी श्री टी ग ॥ ६६ ॥  
 पी ली या सी दे र बो नी हारा ता ला ॥ ज व की ज उ नी  
 नमस्कार के ला ॥ ६७ ॥ मुद्र ल लणे जी लु पी ला ॥







गाराणे सांगवे ॥ ७४ ॥ मनीके लावी चार ॥  
 गोवो चदन जो हे नृपवर ॥ पासी सांगे सवी १०  
 रत्नार ॥ लोनी वाडा करील ॥ ७५ ॥ लुगे नी गेळ  
 राजद्वारा ॥ नमोनी पार जेश्वरा ॥ आणी सभा  
 वसयक थोर थोर ॥ कथी समुज बनाय घे ॥ ७६ ॥  
 एकोनी समुज बुट्यात ॥ बोलत उपरवी खाडुतु ॥  
 देउनी अलास ॥ पासी ॥ सभे म  
 सी ॥ ७८ ॥ पुसती सभानायक ॥ जे रीसभे  
 आवश्यक ॥ अपण सी यी पुत्रयेक ॥ ते असे

॥ वीक्रमचो ॥ ११८ ॥  
 गहा भीतली ॥ ७५ ॥ पासी आणी पाचसानी ॥  
 सभानायक पहिली दानी ॥ हा घे ही सतीये  
 कवणी ॥ येकरो जे येक धरु पुष्टा ॥ ८० ॥ राजा  
 पुसे सभे प्रती ॥ ते असे सीनक के लंपली ॥  
 ये कामे काची वदन ॥ जे लोकी ती ॥ परी कोणा  
 सी युकी सुचन ॥ ८१ ॥ लवराय मनी जावले ॥  
 दावी या सी सभे सी आणवी ले ॥ जे जे हो ते व  
 लके ॥ लया पुढे कथी लावला ॥ ८२ ॥ राचो  
 लणरा या सी ॥ थोर थोर लोक आहे लसभे सी ॥



नृपसिनेतयासीपहवेकानककेजाणा॥८३॥

वीक्रमवीचक्षणसुजाणा॥त्यानेबोळचलि

चीन्हाहणेहेसारीगांचेकक्षण॥प्रक्षीला

जाहाला॥८४॥परीनसांगेकोफोताजेपर

चीलीदारचवाचीजायध्याले॥सुगेबोलवी॥८५॥

छाजेनीयाले॥तुसापुत्रदारचवाजेजाहा

नी॥८६॥त्यानेदारचवीलेसोटीगालेबोळ

वीजासीप्रार्थले॥तेनेदारचवीलेलयले॥

पुत्रजापुलासपुत्रोनी॥८७॥फाच्यारानीसु

नेप्रतीपसांगु॥याकवचपती॥करकमकोआ

॥वीक्रमचा॥प्रमाण॥

सेदावीली॥सोटीगास॥भुलाक्षणेनी

या॥८८॥पुलीउसुजायासी॥त्यानेहीसा

गीललेत्यासी॥भुलीपउलीजासतयासीप

काहीजाससुचने॥८९॥सोटीगेद्यालने

जासमेन्या॥वैलनहीलयलागुना॥काय

कनीला॥लावीक्रमसन॥दायासीसुप

हयाचाचमकार॥९०॥दोघासीबोलावीवी

क्रमादीया॥येकप्रमाणदयासुणला॥जेनी



केलयथाथी लोपुत्र जो सी साचा ॥ १० ॥ दो

७) के लपती रंगा ली प्रमा वचन ॥ जे नारा

ल ले दी व्य दे उ न ॥ या सी हो ज नु म नु जी स्वा

सी राय ॥ ११ ॥ वी क्रम लेय जा व शरी ॥ उद क

१२) प्र र उ नी ज बा वी ली सारी ॥ उ वी ली स प्र स

मारी ॥ का प डी या नी बो ल वी ले ॥ १२ ॥ ल गे लु

बा सारी मुर धी री द्यो वे प न य की य बा र्वा

ही र या वे प य न दी वी ज री गि र वे प ल री लु

ची पु त्र जा गा ॥ १३ ॥ क र डी म ज री रा य ल स्थु

क रारी रहे का या ॥ ल री र वी री द्यो व य ॥ सा

१३) म र्थी मा स न के ॥ १४ ॥ रारी मुर धी आंगु र्ण

मा ये ॥ ले थे दे ह्य सी कै रारी थ हो या हि प्र म ॥

० म व ध उ अ हे ॥ को उ द्य ल ले आ त्मा लागी म

॥ १५ ॥ ल या सी राज म्पे हो य य की क डी ॥ री

टी गी सी बो ल वी ल पु ठी ॥ स गी ल ले को डी ॥ दे

र लु दी व्य स ड क री ॥ १६ ॥ ये र ल म ज जी न्द प ना

था ॥ दी व्य दे र नि सर्व था ॥ आ ता ज ण के ल य



याथिता पुत्रनी सच्यार ॥ ७॥ अलं रक्षिसु  
क्षमहउनी ॥ प्रवेशला सारी वदनी ॥ नाच  
१३॥ कोणी वारे नीवाला ॥ सतक्षणीयो ॥ ७८ ॥ १३॥  
सभक्षपदीव्युतरला ॥ हाची पुत्र होय वही  
ला ॥ वीहंगमभंगलयाला ॥ पुसेर हीके से  
पडले ॥ ७९ ॥ हेसोरीगोत्रीमाया ॥ तुजनेण  
वेराया ॥ क्र० ३ ॥ जोसी वीकडनीया ॥ का  
नीपुसेची कसमाके ॥ तुरीयावाडीयाभी  
तरी ॥ वक्षअथवा ॥ वहीहीरी ॥ सथेवस्तीरेवरी  
१४ ॥ यचोला ॥ वरुला वरुला ॥ १०२ ॥ लेवेळी १६  
माडीलास ॥ गावी समयोकेरी राजावी  
क्र० ४ ॥ नकळे यथा चान्द्रमु ॥ जाचधड  
माडीले ॥ १०३ ॥ अलाके वी काहेतु सुरवा  
ह्मणवोनी जालास न्मुरव ॥ येरे वीरजाली  
नेटंका ॥ नटळली माधवाराम १०४ ॥ संसवि  
रती दोन्हीदळी ॥ येर येरामी सळले ॥ गाव्या  
चरीचाळीले ॥ जेसेमाहापर्वत ॥ १०५ ॥



उटाव ले आसी वरो। स्त्री के नाद करीली

चीरा। रथ पे ली ले रही वर। वास के गिधा

वली ॥ १०६ ॥ पुंटे पाया चेलुं सली गयेक

मेका पाया रीली। राहे साहय के लुपली।

बाग आली नीकरा ॥ १०७ ॥ वौ ~~...~~ स्वंड

सिकली। जैसे वी लु लु लाल लपली।

लेसे ले प्रका रा ली र ल व नु मी प्रा न च री प

लेजा गले धा चली नी म मे टे वी टी ली धनु

धरा। शी ली ला नि य र पं जर। टा को १७

साली ॥ १०९ ॥ है ~~...~~ वी नि र धे

रि लु अ री प र म ~~...~~ ११० ॥ कं

गं ल से प रा धा व की या प्र नु तार सी बाण ली

या ॥ अ र नी ले का अ गे रा र वी या ॥ जैसे

यं ज क व से ॥ १११ ॥ लु स ले च ये क वी रा ॥

हा ली धे उ नी हा त्पारे ग पा चा री ली रा म

रे ॥ वा य सा हे ल उ वी नी ॥ ११२ ॥ ० ५



॥ वीक्रमचा प्रारंभ ॥

॥ ९९ ॥ मृतीकेचे रौप्यकेला ॥ लेआमृत  
सीपीसणीतले ॥ प्रारंभ करीतुआपण ॥  
जोलाआहृ ॥ १०० ॥ वीक्रमरौनसाळ  
वेदीनी ॥ राहालीवाहानतयेवेकी ॥ आम्ह  
ससीपीलेलेयेकी ॥ उरलेआमृतश्रीकां  
कारीले ॥ १०१ ॥ मृतीकेचे रौप्यहोले ॥  
साकधीलाजलेयेकी ॥ लेनीघालेआ



॥ वीक्रमचा प्रारंभ ॥  
लेकोनीपरलेयेकी ॥ वेदीनी ॥  
कीली ॥ संकोयआसीत्या ॥ १०२ ॥ जर्म  
हालीगाआलीकेडे ॥ राहालीवाहानत  
चेधेजोलाज्जकारीनीआलीपाडे ॥ रंजक  
जालासणवोनी ॥ १०३ ॥ पलीकेडेनर्म  
हालीरी ॥ वीक्रमशकआवधारी ॥ चाली  
लाआरसेतपुणपवरीकलेयुगला  
॥ १०४ ॥ पुणवीक्रमचा ॥



य  
 थचिपजा न... केचरीना ॥ १२५ ॥  
 तथा होय उलमगली। तेची ललेककक  
 वली। जाली त्पास्की होय मुकी। तेजा  
 तीवीरु लोका ॥ १२६ ॥ वीकमरोनाचो  
 रव्याना। तेजेजे कली एवधाना। तेपा  
 वलीवीरु... पासी हो...  
 ॥ १२७ ॥ जेकोणो पटण करीली। त्यासी हो...  
 हिक मुकी... पली। वेक...

क्रम ॥  
 एसा उही मकरी ताजा का ॥ गंध मर्दन प्रगावरी  
 टला ॥ कुभ... दे... प्रसादे ॥  
 ॥ ४१ ॥ सुग्री वचि म्पानी ॥ कुपा करी लयाला  
 गोनी ॥ संलोप ला मनी ॥ जादर करी गार्थ  
 वासी ॥ ४८ ॥ त्यासी नी त्पहाणा ॥ उक हत  
 मनो भावे वरा रा करील ॥ कुड बाधा ती जा  
 मीस ॥ जाली चोर घट उत म्प ॥ ४९ ॥ नवी सं  
 वे धडी गरी ॥ क वणे काळी उ हक पाजवी ॥



परिमकी बाधे का बरसे तुम स्थकी रा  
११॥ की नीर तर ॥ ७॥ तेरी जाली वारा वर शो ॥  
॥ ६॥ तेरा वे वर शी प्र वर ॥ अ नंदु हे तरो म न सी ॥  
सुख वाटे लया सी ॥ ७॥ को पो ये के दी ना तरी ॥  
मा ध्या न रा नी मा रा ती ॥ इ नान जाले ले आव  
श्री ॥ आ टव का ॥ ८॥ ११॥ १२॥ सदा सी वा ॥ १३॥  
ले स्मरो नी ॥ वी च्यार नी आंतः कर्णो बो ॥ १४॥  
१५॥ इ का ल लक्षणी ॥ गु ड रा प्या क्षणी नी या ॥ १६॥  
कु १७॥ र हो ला नी दा शु ॥ ले वें की जाला जा





## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com